भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या *80

दिनांक 04 दिसंबर, 2025 को उत्तरार्थ

.....

थामिराबरानी नदी की पारिस्थितिकीय स्थिति का आकलन

***80. श्री रॉबर्ट ब्रूस सी.:**

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने तमिलनाडु में थामिराबरानी नदी, विशेषकर इसके तिरुनेलवेली जिले से होकर गुजरने वाले खंड में जल की गुणवत्ता, पारिस्थितिकीय स्थिति और सतत् जल-प्रवाह का हाल ही में कोई आकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान थामिराबरानी बेसिन से संबद्ध नदी संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण और भूजल पुनर्भरण संबंधी पहलों हेतु राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना (एनआरसीपी), जल जीवन मिशन (जेजेएम) और अटल भूजल योजना (एबीवाई) जैसे कार्यक्रमों के अंतर्गत स्वीकृत, जारी की गई और उपयोग में लाई गई केन्द्रीय निधियों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने दक्षिणी तमिलनाडु में नदी और उस पर निर्भर समुदायों को प्रभावित करने वाले घटते जल-प्रवाह से संबंधित चुनौतियों पर ध्यान दिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा नदी पुनरुद्धार उपायों को सुदृढ़ करने, प्रदूषण नियंत्रण मानकों को कड़ाई से लागू करने और थामिराबरानी नदी के पारिस्थितिकीय और जल विज्ञानीय मापदंडों की केन्द्रीय निगरानी बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

जल शक्ति मंत्री

(श्री सी आर पाटील)

(क) से (घ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

“थामिराबरानी नदी की पारिस्थितिकीय स्थिति का आकलन” के संबंध में दिनांक 04.12.2025 को लोक सभा में उत्तर के लिए देय तारांकित प्रश्न संख्या *80 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क): नदियों की सफाई और पुनरुद्धार एक सतत प्रक्रिया है। राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों (यूटी)और स्थानीय निकायों की यह प्राथमिक ज़िम्मेदारी है कि वे नदियों, अन्य जल निकायों, तटीय जल या भूमि में छोड़े जाने से पहले निर्धारित मानदंडों के अनुसार सीवेज और औद्योगिक अपशिष्टों का उचित उपचार सुनिश्चित करें।

राष्ट्रीय जल निगरानी कार्यक्रम (एनडब्ल्यूएमपी) के माध्यम से 'जल गुणवत्ता की बहाली के लिए प्रदूषित नदी खंड' संबंधी केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 और वर्ष 2023 में किए गए जल गुणवत्ता के आकलन के आधार पर अर्थात- थामिराबरानी नदी पर तिरुनेलवेली अनुप्रवाह साइड (डी/एस) से कल्लिदाई-कुरिची, तिरुनेवेली तक 5 अलग-अलग स्थानों/खंडों पर जैव रासायनिक ऑक्सीजन मांग (बीओडी)का स्तर 4 मिलीग्राम/लीटर से 6.2 मिलीग्राम/लीटर के बीच पाया गया है, जिसके आधार पर नदी खंड को प्राथमिकता-IV श्रेणी में रखा गया है। सीपीसीबी से प्राप्त इनपुट के अनुसार,एसपीसीबी के माध्यम से वर्ष 2024 में तिरुनेलवेली जिले में 9 स्थानों से लिए गए नमूनों के आधार पर,बीओडी का स्तर 2.0 मिलीग्राम/लीटर से 3.1 मिलीग्राम/लीटर तक पाया गया है,जो बीओडी के स्तर में कमी को दर्शाता है,जिसका अर्थ है कि जल की गुणवत्ता में सुधार हुआ है।

(ख): राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना (एनआरसीपी) के अंतर्गत, थामिराबरानी नदी में प्रदूषण उपशमन हेतु वर्ष 2001 से वर्ष 2007 के बीच तिरुनेलवेली में 54.93 करोड़ रुपए की लागत से 24.20 मिलियन लीटर प्रतिदिन (एमएलडी) क्षमता वाला एक सीवेज उपचार संयंत्र (एसटीपी) स्थापित किया गया था। अटल भूजल योजना को थामिराबरानी नदी बेसिन में कार्यान्वित नहीं किया गया है। पिछले 5 वर्षों के दौरान,थामिराबरानी नदी बेसिन के अंतर्गत आने वाले जिलों में मनरेगा योजना के तहत राज्य सरकार द्वारा कई भूजल पुनर्भरण कार्य किये गए हैं। जेजेएम के अंतर्गत निधियों का रखरखाव बेसिन-वार नहीं किया जाता है।

(ग): वार्षिक रन-ऑफ पैटर्न वर्षा पैटर्न और किसी विशेष क्षेत्र की जलवायु परिस्थितियों पर निर्भर करता है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, वर्ष 2014-15 से वर्ष 2024-25 की अवधि के लिए तमिलनाडु के मुरप्पानडु साइट पर थामिराबरानी नदी का वार्षिक औसत रन-ऑफ 22 मिलियन क्यूबिक मीटर (एमसीएम) है। तथापि, वास्तविक अपवाह का अधिकांश मान इसी औसत के आसपास रहता है।

(घ): तिरुनेलवेली नगर निगम ने सूचित किया है कि तमिलनाडु सरकार ने थामिराबरानी नदी में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए एसटीपी, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, जैविक उद्यान आदि की स्थापना के प्रस्ताव तैयार किए हैं और राज्य स्तर पर नदी पुनरुद्धार समिति के माध्यम से नदी पुनरुद्धार कार्यों की निगरानी भी की जाती है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड/एसपीसीबी/प्रदूषण नियंत्रण समिति पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 और जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए नदी जल की गुणवत्ता और उद्योगों की निगरानी करती है। केंद्रीय जल आयोग थामिराबरानी नदी में तीन जलविज्ञान वेधशालाओं के माध्यम से नदी के जलविज्ञान संबंधी मापदंडों की निगरानी करता है।

*****